eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 02, Issue 10, October 2023

कौशल विकास (NEP-2020) के विशेष संदर्भ में

[1]श्रीमती प्रतिमा सिंह
[1]सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग, जुहारी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज, कानपुर उ0प्र0

Received: 15 September 2023 Accepted and Reviewed: 25 September 2023, Published : 01 October 2023

Abstract

कौशल विकास लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा के विकास हेतु बड़े पैमाने पर बेरोजगार युवाओं को साहिसिक विचारों, ठोस नीतियों, उपायों एवं सुझाव के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने की एक बड़ी पहल है। 2015 में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल योजना को लागू किया। NEP2020 में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को महत्व दिया गया है। इसमें शिक्षा के साथ –साथ कौशल विकास पर भी ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने को महत्वपूर्ण माना गया है और कहा गया है कि उनके भीतर की प्रतिभाओं का विकास और उनका प्रयोग आवश्यक है। प्रस्तुत लेख में NEP-2020 और कौशल विकास की विस्तृत व्याख्या की गई है।

शब्द कुंजी–कौशल विकास, रोजगारपरक, नयी शिक्षा नीति।

Introduction

कौशल विकास (skil development) में कौशल का शाब्दिक अर्थ है किसी कार्य में निपुण अथवा दक्ष होना अर्थात किसी कार्य को कुशल पूर्वक करने की शक्ति अथवा क्षमता को कौशल कहते है। जबकि कौशल विकास का अर्थ है उद्योगों की आवश्यकतानुसार बड़ी मात्रा में रोजगार संबंधी कौशल का विकास करना और युवाओं को रोजगार प्राप्त करने के सुझाव और प्रशिक्षण देना है।

प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 व द्वितीय 1986 के 34 साल बाद नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP–2020 की घोषणा प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में की गयी। यह नीति UNO के सतत विकास लक्ष्य–4 के अनुरूप है। इस नीति में भारत को ज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनाने का लक्ष्य रखा गया है। NEP 2020 में शिक्षा के सर्वव्यापीकरण, न्याय संगतता और समावेशन, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, भारतीय भाषाओं, कला और संस्कृति का संवर्धन, शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के साथ–साथ व्यवसायिक शिक्षा व सामान्य शिक्षा में कौशल के बिंदु जैसे पहलुओं पर जोर दिया गया है।

उद्देश्य

- कौशल विकास के बारे मे जानकारी प्राप्त करना ।
- नयी शिक्षा नीति में कौशल विकास के लिये किए जाने वाले प्रयासो की जानकारी प्राप्त करना।

कौशल विकास की आवश्यकता क्यों? – आज हम वैज्ञानिक, तकनीकी क्रांति के दौर से गुजर रहे हैं। चौथी औद्योगिक क्रांति हमारे दरवाजे पर खडी होकर दस्तक दे रही है। इस क्रांति ने हमारे जीवन के हर पहलू को बदल कर रख दिया है। रोजगार के पारंपरिक तरीकों में परिवर्तन के

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 02, Issue 10, October 2023

परिणामस्वरुप रोजगार के अवसरों की संख्या कमी आ गयी है। आज आवश्यकता है युवाओं को कुशल बनाने और कौशल प्रदान करने की ताकि विकसित भारत की संकल्पना को साकार किया जा सके। भारत विश्व में सबसे युवा आबादी वाला देश है। कुल आबादी का 65ः युवा आबादी है। यदि ये विभिन्न कौशलों से युक्त होगें तो यहीं युवा भारत का भविष्य बनेंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को प्रतिष्ठित भी करेगें।

2019 के यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेन फंड की रिपोर्ट के अनुसार 2030 में 47% युवा कौशल शिक्षा से वंचित रहेगें। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल 50 लाख छात्र स्नातक पास होते हैं, उनमें केवल 20% युवाओं को ही रोजगार प्राप्त होता है। इस सब का कारण छात्रों द्वारा अर्जित कौशल और रोजगार के लिए वांछित कौशल में बहुत अन्तर का होना है। यह नीति निर्माताओं के लिए अत्यंत चिंता का कारण है। इस विसंगति को दूर करने के लिए भारत सरकार द्वारा अनेकों योजनाओं को चालू किया गया है, साथ ही कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) की स्थापना की गई। परिणाम स्वरूप युवाओं को कौशल प्रदान करने और उन्हें पुनः कुशल बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है लेकिन तेजी से बढ़ते वैज्ञानिक तकनीकी प्रगति और डिजीटलीकरण के युग में भारतीय युवाओं को लेकर आज भी चिंता बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण बेसिक, व्यवाहारिक शिक्षा के बजाय पुस्तकीय रटंत ज्ञान पर आधारित परंपरागत शिक्षा प्रणाली है। हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी ने कहा कि, ''आज के युवा, जिनका जन्म इक्कीसवी सदी में हुआ है, भारत की आजादी के सौवें वर्ष तक भारत की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने जा रहे हैं, इसलिए इस नयी पीढ़ी के युवाओं का कौशल विकास हमारे देश की आवश्यकता है, यह आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है।''(Yadav,2022)

निरंतर विकसित होने वाली प्रक्रिया है– कौशल विकास। यह कई चरणों से होते हुए आगे बढ़ता है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि, 'एक सच्ची ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत को उन्नत कौशल का निर्माण करने और स्वचालन कम्प्यूटर और इलेक्ट्रानिक से परे जाने की आवश्यकता है।

NEP–2020 में कौशल विकास के लक्ष्य/उदेश्य– NEP–2020 का मुख्य उद्देश्य परंपरागत शिक्षा प्रणाली में जान डालते हुए पूरी की पूरी प्रणाली को पुनर्जीवित करना है। इसका लक्ष्य वोकेशनल एजुकेशन व कौशल विकास को बढ़ावा देना है।.यह पुरानी रटंत व पुस्तकीय शिक्षा के विपरीत कौशलयुक्त शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देता है। इस नवीन शिक्षा प्रणाली में वोकेशनल एजुकेशन को मुख्य शिक्षा प्रणाली में शामिल करते हुए पाठ्य पुस्तकीय ज्ञान को कौशल के साथ जोड़ना तथा छात्रों को नौकरी के लिए तैयार करना है, ताकि वह भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें। NEP–2020 में विद्यार्थियों को उनकी योग्यता और रूचि के अनुसार विषयों के चुनाव की स्वतंत्रता होगी।

नयी शिक्षा नीति का उद्देश्य छात्रों को केवल पुस्तकीय ज्ञान कराने तक सीमित नहीं किया गया है बल्कि उनमें भावात्मक व सामाजिक, संस्कृतिक कौशल जिन्हें साफ्ट स्किल कहते है, का

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 02, Issue 10, October 2023

विकास करना है जिससे विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना, टीम भावना, लीडरशिप आदि गुणों का विकास हो सके। NEP–2020 में कहा गया है कि, ''शिक्षा का उद्देश्य न केवल संज्ञानात्मक विकास होगा बल्कि चरित्र निर्माण और 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र एवं बहुमुखी प्रतिभा वाले व्यक्तियों का निर्माण करना होगा।'' NEP-2020 में शिक्षा के हर स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल कौशल व व्यवासायिक शिक्षा इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कौशल विकास के लिये किए गए उपाय – NEP–2020 में कौशल की प्राप्ति के लिए देश के हर हिस्से में कौशल विकास केंद्र की स्थापना की जाएगी। गवर्नमेंट इन केंद्रों के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा में सुधार करते हुए विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करेगे। ये केंद्र आधुनिक उपकरणों व संसाधनों से युक्त होगें। उच्च प्राथमिक स्तर पर ''पूर्व व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम, माध्यमिक'' व ''उच्चतर माध्यमिक स्तर पर राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) के अनुरूप व्यावसायिक कौशल की शिक्षा दी जाती हैं। स्टेट गवर्नमेंट को भी कहा गया है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम को अन्य विषयों के जैसे समान दर्जा दिया जाय। NEP2020 में लक्ष्य रखा गया है कि वर्ष 2025 तक 50% से ज्यादा छात्र स्कूली, उच्च शिक्षा प्रणाली के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल प्राप्त कर सकेंगें तथा इन 50% विद्यार्थियों के कवरेज के लिए हर साल नए स्कूल कालेजों की मंजूरी दी जा रही है और ''HUB AND SPOKE'' मॉडल लागू किये जा रहे हैं।

निष्कर्ष – कौशल विकास से निर्धनता कम करने, उत्पादन बढ़ाने, बेरोजगारी दूर करने, व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय आय बढ़ाने तथा समग्र विकास में सहायता मिलेगी और हम आत्मनिर्भर हो सकेंगे । ज्ञान की विभिन्न कलाओं के रूप मे व्यावसायिक शिक्षा व कौशल विकास को पुनः शामिल किया जाएगा तो युवाओ के लिए कभी भी भविष्य में अर्थोपार्जन का कोई रास्ता बंद नहीं होगा और वो अपने सम्पूर्ण ज्ञान का प्रयोग स्वयं के व्यक्तिगत विकास में, समाज और राष्ट्र के विकास में कर पायेगे। आने वाली पीढ़ी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए परंपरागत शिक्षा प्रणाली में बदलाव हेतु NEP–2020 को मंजूरी दी गयी है, यदि इसका सफल क्रियान्वयन होगा तो भारत विश्व के अग्रणी देशों में शामिल होगा।

संदर्भ सूची

- https://www.amarujala.com/
- https://hi.quora.com
- https://www.indiatoday.in/educati
- https://www.drishtiias.com/
- https://www.linkedin.com/pulse/impact-national-education-policy-nep-2020-skill-ecosystem-kakkar
- New Education Policy-2020.Ministry of Human Resource Development, New Delhi.
- Yadav,Santosh.(FEB2022). Yojana Magazine February.p.p.19-22.ISSN-0971-8397.